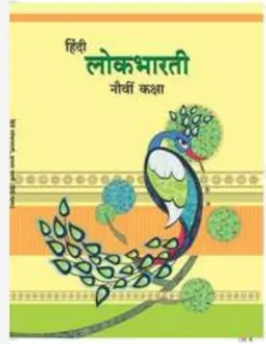


Maharashtra Board Solutions for Class 9- Hindi Lokvani (Part 2): Chapter 1- गागर में सागर

BOOK SOLUTIONS
CLASS 9
HINDI LOKBHARTI (PART 2)

CHAPTER 11
स्वतंत्रता गान



Maharashtra Board Solutions→

For any clarifications or questions you can write to info@indcareer.com

Postal Address

IndCareer.com, 52, Shilpa Nagar, Somalwada Nagpur - 440015
Maharashtra, India

WhatsApp: +91 9561 204 888, **Website:** <https://www.indcareer.com>

<https://www.indcareer.com/schools/maharashtra-board-solutions-for-class-9-hindi-lokvani-part-2-chapter-1-gagar-me-sagar/>



Maharashtra Board Solutions for Class 9- Hindi Lokvani (Part 2): Chapter 1- गागर में सागर

Class 9: Hindi Lokvani Chapter 1 solutions. Complete Class 9 Hindi Lokvani Chapter 1 Notes.

Maharashtra Board Solutions for Class 9- Hindi Lokvani (Part 2): Chapter 1- गागर में सागर

Maharashtra Board 9th Hindi Lokvani Chapter 1, Class 9 Hindi Lokvani Chapter 1 solutions

Questions and Answers

भाषा बिंदु:

1. निम्नलिखित मुहावरों, कहावतों में गलत शब्दों के स्थान पर सही शब्द लिखकर उन्हें पुनः लिखिए।

प्रश्न 1.

टोपी पहनना

उत्तर:

मुहावरा – टोपी पहनाना

प्रश्न 2.

गीत न जाने आँगन टेढ़ा

उत्तर:

कहावत – नाच न जाने आँगन टेढ़ा

प्रश्न 3.

<https://www.indcareer.com/schools/maharashtra-board-solutions-for-class-9-hindi-lokvani-part-2-chapter-1-gagar-me-sagar/>

अदरक क्या जाने बंदर का स्वाद।

उत्तर:

कहावत – बंदर क्या जाने अदरक का स्वाद।

प्रश्न 4.

कमर का हार

उत्तर:

मुहावरा – गले का हार

प्रश्न 5.

नाक की किरकिरी होना

उत्तर:

मुहावरा – इज्जत की किरकिरी होना

प्रश्न 6.

गेहूँ गीला होना

उत्तर:

मुहावरा – आटा गीला होना

प्रश्न 7.

अब पछताए होत क्या जब बंदर चुग गए खेत।

उत्तर:

कहावत – अब पछताए होत क्या जब चिड़िया चुग गई खेत।

प्रश्न 8.

दिमाग खोलना।

उत्तर:

<https://www.indcareer.com/schools/maharashtra-board-solutions-for-class-9-hindi-lokvani-part-2-chapter-1-gagar-me-sagar/>

मुहावरा – बुद्धि खोलना।

लेखनीय:

प्रश्न 1.

अपने अनुभव वाले किसी विशेष प्रसंग को प्रभावी एवं क्रमबद्ध रूप में लिखिए।

उत्तर:

मैं संध्या समय नदी किनारे टहलने के लिए गया था। उस वक्त पास के गाँव के दो बच्चे भी नदी किनारे टहलने आए थे। उनमें से एक बच्चे ने अपने साथ लाई हुई कूड़े-कचरे की बैग पानी में फेंक दी। मैं हैरान हो गया और शीघ्रता से चिल्लाकर बोला, “यह तुम क्या कर रहे हो? इस प्रकार नदी में कूड़ा-कचरा फेंकने से जल प्रदूषण बढ़ता है।” मेरे इस कथन का उस बच्चे पर किसी भी प्रकार का असर नहीं हुआ। वह सिर्फ हँस रहा था। मुझे उस पर बहुत गुस्सा आया। मैंने कहा, “तुमने जो कुछ किया है, वह गलत है और तुम्हें आगे चलकर इस प्रकार का कार्य नहीं करना चाहिए।”

अपने दोस्तों के साथ मजाक मस्ती करते हुए उसने कहा कि, उसके ऐसा करने से कुछ भी फर्क नहीं पड़ने वाला है। यदि वह कचरा नहीं फेंकेगा, तो भी नदी प्रदूषित होगी। अब मुझसे रहा नहीं गया। मैंने उसे आड़े हाथों लेते हुए डाँटा फटकारा। तत्पश्चात समझाते हुए कहा कि नदी हमारी माता है। हमें उसका ख्याल रखना चाहिए। जल ही जीवन है और हमें उसे भविष्य के लिए संभालकर रखना चाहिए। मेरे इस कथन का उस बच्चे पर थोड़ा-बहुत असर हुआ। उसने भविष्य में जल को प्रदूषित न करने की कसम खा ली और अपने इस करतूत पर मुझसे माफी माँगी। मैंने भी उदार हृदय से उसे माफ कर दिया और हम तीनों नदी में फैले हुए कूड़े-कचरे को एकत्रित करने में व्यस्त हो गए।

रचनात्मकता की ओर:

प्रश्न 1.

‘निंदक नियरे राखिए’ इस पंक्ति के बारे में कल्पना पल्लवन अपने विचार लिखिए।

उत्तर:

निंदक नियरे राखिए, आँगन कुटी छवाय,

बिन पानी, साबुन बिना, निर्मल करे सुहाय।

यह दोहा तब याद आता है जब कोई अपने आलोचकों को उनके आलोचना के बदले सजा देने की बात करता है। यद्यपि आलोचक निश्चय ही हमारी कमियों को गिनवाते हैं, हमें हमारी वास्तविकता का एहसास करवाते हैं परंतु आलोचक वह व्यक्ति होते हैं जिसकी आलोचनाओं की सहायता से हम अपने कार्यों को काफी हद तक सुधार सकते हैं। बड़े बुजुर्गों ने कोई भी चीज बिना अर्थ के नहीं लिखी, निश्चय ही हमारे जीवन में उसका महत्वपूर्ण सहयोग है।

<https://www.indcareer.com/schools/maharashtra-board-solutions-for-class-9-hindi-lokvani-part-2-chapter-1-gagar-me-sagar/>

आलोचकों का हमारे जीवन में बड़ा सहयोग रहा है, इतिहास गवाह है कि बिना आलोचकों के कोई भी शासक न तो अपना राज्य संभाल पाया है और न ही अपने राज्य का विस्तार कर पाया है। बिना आलोचना के शासक अपने मद में चूर होकर गलतियाँ कर बैठता है और अपने राज्य से हाथ धो बैठता है। आलोचनाएँ हमको शक्ति प्रदान करती हैं, जो हमें अपनी गलतियाँ सुधारने का मौका देती हैं और भविष्य के लिए रणनीति बनाने का अवसर भी प्रदान करती हैं, अतः आलोचनाओं का हमेशा स्वागत करना चाहिए।

ऐसा नहीं है कि ये आलोचनाओं वाला सुझाव केवल किसी एक पार्टी और उसके सदस्यों या किसी एक समाज तक सीमित है। सभी शासकों को ये बात ध्यान में रखनी चाहिए, शासक ही क्यों हम सभी को ये बात याद रखनी चाहिए कि अगर हम किसी के द्वारा गिनाए हुए कमियों को स्वीकार करके उसमें सुधार नहीं कर सकते तो फिर हम भविष्य में अथाह गलतियाँ करनेवाले हैं, और अगर हम कमियों को सुधार नहीं सकते तो फिर कोई हक नहीं कि हम उन आलोचकों को कमियाँ बताने से भी रोके, ये आलोचकों का जन्म सिद्ध अधिकार था, है, और हमेशा रहेगा। इसलिए आलोचनाओं का स्वागत करें, तथा अपनी कमियों को सुधारें।

पाठ के आँगन में:

प्रश्न 1.

‘नर की अरु नल नीर की इस दोहे द्वारा प्राप्त संदेश स्पष्ट कीजिए।

उत्तर:

इस दोहे से हमें यह संदेश मिलता है कि मनुष्य को बहुत ही विनम्र होना चाहिए। व्यक्ति को धन, बल, ज्ञान आदि का अहंकार नहीं करना चाहिए। अहंकार करने से व्यक्ति का मान-सम्मान गिर जाता है। अहंकार करने वालों का दिखावटी सम्मान भले ही कोई करे परंतु दिल से उसका सम्मान कोई नहीं करता। इसलिए हम कितने ही संपन्न, बलशाली और बुद्धिमान क्यों न हों, हमें समाज में झुककर अर्थात् विनम्र होकर रहना चाहिए। मनुष्य जितना ही विनम्र होता है, वह उतना ही ऊँचा अर्थात् महान होता है।

प्रश्न 2.

शब्दों के शुद्ध रूप लिखिए।

1. घरू

2. उज्जलुय

उत्तर:

1. घर

2. उज्ज्वल

Additional Important Questions and Answers

<https://www.indcareer.com/schools/maharashtra-board-solutions-for-class-9-hindi-lokvani-part-2-chapter-1-gagar-me-sagar/>

(क) पद्यांश पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए।

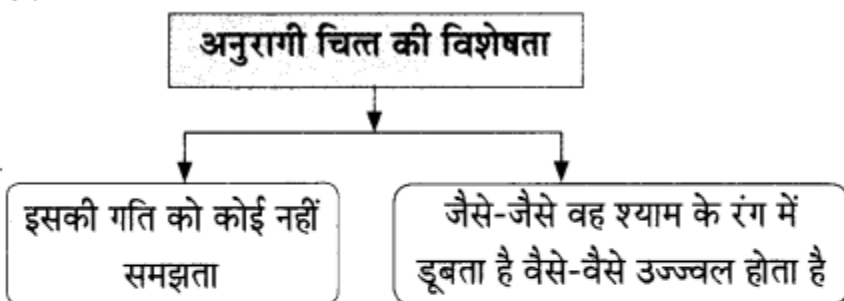
कृति क (1): आकलन कृति

प्रश्न 1.

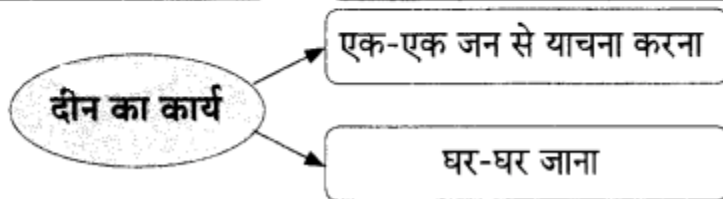
आकृति पूर्ण कीजिए।

उत्तर:

(1)



(2)



प्रश्न 2.

समझकर लिखिए।

1. दीन के आँख पर यह चश्मा लगा होता है।

2. चश्मे की विशेषता

उत्तर:

1. लोभ का चश्मा

2. इससे तुच्छ व्यक्ति बड़ा दिखता है।

कृति क (2): सरल अर्थ

<https://www.indcareer.com/schools/maharashtra-board-solutions-for-class-9-hindi-lokvani-part-2-chapter-1-gagar-me-sagar/>

प्रश्न 1.

उपर्युक्त दोहों का सरल अर्थ लिखिए।

उत्तर:

कवि बिहारी जी इस दोहे में कृष्ण की भक्ति और कृष्ण प्रेम के संदर्भ में कहते हैं कि कृष्ण के प्रेम में डूबे इस प्रेमी मन की दशा को कोई भी समझ नहीं पाता है। यह मन जैसे-जैसे कृष्ण के प्रेम में डूबता जाता है; वैसे-वैसे निर्मल होता जाता है। अर्थात् सारी बुराइयाँ अच्छाइयों में बदल जाती हैं।

लोभी व्यक्ति के व्यवहार का वर्णन करते हुए बिहारी जी कहते हैं कि लोभी व्यक्ति दीन-हीन बनकर घर-घर घूमता है और प्रत्येक व्यक्ति से हाथ फैलाकर याचना करता है। लोभ का चश्मा आँखों पर लगा लेने के कारण उसे तुच्छ व्यक्ति भी बड़ा अर्थात् धनवान दिखाई देने लगता है अर्थात् लालची व्यक्ति विवेकहीन होकर योग्य-अयोग्य व्यक्ति को भी नहीं पहचान पाता।

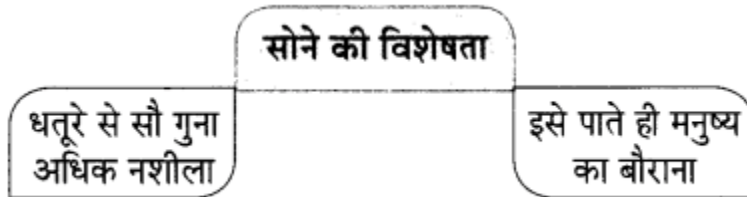
(ख) पद्यांश पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए।

कृति ख (1): आकलन कृति

प्रश्न 1.

आकृति पूर्ण कीजिए।

उत्तर:



प्रश्न 2.

एक शब्द में उत्तर लिखिए।

1. इसे खाकर मनुष्य को नशा हो जाता है –
2. गुनी-गुनी कहने से यह गुनी नहीं हो जाता –

उत्तर:

<https://www.indcareer.com/schools/maharashtra-board-solutions-for-class-9-hindi-lokvani-part-2-chapter-1-gagar-me-sagar/>

1. धतूरा

2. निगुणी

प्रश्न 3.

सत्य या असत्य पहचान कर लिखिए।

1. धतूरे को पाकर ही लोग पागल हो जाते हैं।

2. गुनी-गुनी कहने से निगुनी भी गुनी हो जाता है।

उत्तर:

1. असत्य

2. असत्य

कृति (2): सरल अर्थ

प्रश्न 1.

उपर्युक्त दोहों का सरल अर्थ लिखिए।

उत्तर:

बिहारी कवि कहते हैं कि सोना धतूरे से सौ गुना अधिक नशीला होता है। धतूरा खाने के बाद इंसान में नशा (पागलपन) पैदा होता है जबकि सोना पाते ही इंसान में अमीरी का नशा (पागलपन) छा जाता है। कवि इस दोहे में बताते हैं कि व्यक्ति नाम से नहीं अपितु अपने गुणों से महान होता है। गुणों से रहित किसी व्यक्ति को सब लोग गुणी-गुणी कहे तो भी गुणहीन व्यक्ति कभी गुणी नहीं हो सकता। क्या आपने कहीं सुना है कि वृक्ष के अर्क (रस) से भी अर्क (सूर्य) के समान प्रकाश होता है अर्थात् वृक्ष के रस को भी अर्क कहते हैं और सूर्य को भी अर्क कहते हैं परंतु वृक्ष के रस को अर्क कहने से वह सूर्य जैसा प्रकाशित नहीं हो सकता।

(ग) पद्यांश पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए।

कृति ग (1): आकलन कृति

प्रश्न 1.

आकृति पूर्ण कीजिए।

उत्तर:

<https://www.indcareer.com/schools/maharashtra-board-solutions-for-class-9-hindi-lokvani-part-2-chapter-1-gagar-me-sagar/>

(1)



(2)



प्रश्न 2.

समझकर लिखिए।

1. प्यासे के लिए ये सागर हैं –
2. नीचे होने अर्थात् झुकने पर ये दोनों ऊँचे होते हैं।

उत्तर:

1. नदी, कुआँ और सरोवर।
2. मनुष्य और नल का पानी।

कृति ग (2): सरल अर्थ

प्रश्न 1.

उपर्युक्त दोहे का सरल अर्थ लिखिए।

उत्तर:

मनुष्य की और नल के पानी की गति एक समान होती है। नल का पानी जितना नीचे गिरता है, उतना ही ऊपर उठता है और व्यक्ति जितना नीचे झुकता है अर्थात् विनम्र होता है, उतना ही ऊँचा उठता है यानी श्रेष्ठ होता है। कवि कहते हैं कि नदी, कुआँ या सरोवर (तालाब) का पानी अधिक गहरा हो अथवा अधिक उथला (छिछला) हो। प्यासे व्यक्ति के लिए वही सागर है, जहाँ उस व्यक्ति की प्यास बुझ जाए।

<https://www.indcareer.com/schools/maharashtra-board-solutions-for-class-9-hindi-lokvani-part-2-chapter-1-gagar-me-sagar/>

(घ) पद्यांश पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए।

कृति (1): आकलन कृति

प्रश्न 1.

आकृति पूर्ण कीजिए।

उत्तर:

समय-समय पर सब ऐसे लगते हैं → सुंदर

प्रश्न 2.

समझकर लिखिए।

1. मन इस सच्चाई पर शंका करता है।
2. लोग इसे उपद्रव गिनते हैं।

उत्तर:

1. बुरे लोगों के बुराई त्यागने पर।
2. निष्कलंक चंद्रमा को देखने को।

प्रश्न 3.

सत्य या असत्य पहचानकर लिखिए।

1. समय-समय पर सब सुंदर लगते हैं।
2. मन की रुचि जिससे जितनी होती है, वह उतना ही उसे नापसंद होता है।

उत्तर:

1. सत्य
2. असत्य

<https://www.indcareer.com/schools/maharashtra-board-solutions-for-class-9-hindi-lokvani-part-2-chapter-1-gagar-me-sagar/>

कृति (2): सरल अर्थ

प्रश्न 1.

उपर्युक्त दोहे का सरल अर्थ लिखिए।

उत्तर:

यदि बुरा व्यक्ति बुराई करना त्याग दे तो भी मन इस सच्चाई पर शंका करता है अर्थात् ऐसे लोगों के बुराई त्यागने पर भी मन उनसे बहुत डरता है। जैसे चंद्रमा निष्कलंक है फिर भी लोग उसे देखकर अशुभ-सूचक मानते हैं। समय-समय पर सब सुंदर लगते हैं। कोई भी सुंदर या असुंदर (बदसूरत) नहीं होता है। मन की जिससे जितनी रुचि होती है, उससे उतना ही प्रेम होता है अर्थात् वह उसे उतना ही पसंद करता है।

कवि-परिचय:

जीवन-परिचय: कवि बिहारी जी का जन्म ग्वालियर में हुआ था। इन्होंने नीति और ज्ञान के दोहों के साथ-साथ प्रकृति का चित्रण भी बहुत ही सुंदरता के साथ प्रस्तुत किया है। प्रमुख कृतियाँ : काव्य-सतसई ('सतसई' बिहारी की एक मात्र रचना है, इसमें 611 दोहे संकलित हैं।)

पद्य-परिचय:

दोहे: इसमें दो पंक्तियाँ होती हैं, जिनमें चार चरण होते हैं। इसका प्रथम और तृतीय चरण १३-१३ तथा द्वितीय और चतुर्थ चरण 11-11 मात्राओं का होता है।

प्रस्तावना: प्रस्तुत कविता 'गागर में सागर' के कवि बिहारी जी ने अपने दोहों के माध्यम से व्यवहारिक जगत की कुछ महत्वपूर्ण नीतियों से अवगत कराया है।

सारांश:

प्रस्तुत कविता के माध्यम से नीति विषयक पाठ पढ़ाते हुए कवि बिहारी ने अपना मत प्रकटीकरण किया है। कवि बिहारी के अनुसार कृष्ण के प्रेम में डूबे मन की गति कोई भी नहीं समझ सकता है। लोभी को तुच्छ व्यक्ति भी बड़ा दिखाई पड़ता है। सोने में धतूरे से भी अधिक नशा होता है। व्यक्ति अपने नाम से नहीं गुणों से महान बनता है। मनुष्य और नल के पानी की दशा एक समान होती है। प्यास बुझानेवाला छिछला जलाशय भी प्यासे के लिए समुद्र के समान होता है। बुरे व्यक्ति के बुराई छोड़ने पर भी लोग उससे डरते हैं। मन की जिसमें जितनी रुचि होती है, वह उसे उतना ही पसंद होता है।

शब्दार्थ:

1. अनुरागी – प्रेमी
2. चित्त – मन
3. गति – दशा, स्थिति
4. समुझै – समझना

<https://www.indcareer.com/schools/maharashtra-board-solutions-for-class-9-hindi-lokvani-part-2-chapter-1-gagar-me-sagar/>

5. बूँडै – डूबना, लीन होना
6. स्याम रंग – कृष्ण के रंग में
7. उज्जल – निर्मल
8. घर-घरु – घर-घर
9. डोलत – घूमता है
10. दीन – गरीब
11. जाचतु – माँगना (याचना करना)
12. चखनु – आँखों पर
13. लघु – छोटा, तुच्छ
14. लखाई – दिखाई देना
15. कनक – सोना
16. कनक – धतूरा
17. सौ गुनी – सौ गुना
18. मादकता – नशीला
19. अधिकाइ – अधिक होता है
20. खाए – खाकर
21. बौराई – पागल होता है
22. जगु – संसार के लोग
23. गुनी – गुणवान
24. निगुनी – गुणहीन
25. सुन्यौ – सुना है
26. कहँ – कहीं
27. तरु – पेड़
28. अर्क – रस, सूर्य
29. उदोतु – प्रकाशित
30. नर – मनुष्य
31. अरु – और
32. नीर – पानी
33. गति – स्थिति, दशा
34. एकै कर – एक ही समान
35. जोई – जानिए
36. हवै चले – होकर चलता है
37. ऊँचौ – ऊँचा (महान)
38. अगाधु – गहरा
39. औथरौ – उथला, छिछला
40. कूप – कुआँ
41. सरु – सरोवर, तालाब
42. ताको – उसके लिए
43. सागर – सागर, समुद्र
44. जाकी – जिसकी

45. बुरौ – बुरा व्यक्ति
46. तजै – त्याग दे
47. चितु – मन
48. सच्चाई
49. खरौ – सच्चाई
50. सकातु – शंका करना
51. निकलक – निष्कलंक, बेदाग
52. लखि – देखकर
53. गनै – मानना, गिनना
54. मयंकु – चंद्रमा
55. उतपातु – उपद्रव, आफत, मुसीबत
56. रूप – सुंदर
57. कुरूप – असुंदर, बदसूरत
58. रुचि – पसंद, प्रेम



Maharashtra Board Solutions

Class 9 Hindi Lokvani

Part 1

- Chapter 1- नदी की पुकार
- Chapter 2- झुमका
- Chapter 3- निज भाषा
- Chapter 4- मान जा मेरे मन
- Chapter 5- किताबें कुछ कहना चाहती
- Chapter 6- इत्यादि' की आत्मकहानी
- Chapter 7- छोटा जादूगर
- Chapter 8- जिंदगी की बड़ी जरूरत है हार...!

Part 2

- Chapter 1- गागर में सागर
- Chapter 2- मैं बरतन माँगूँगा
- Chapter 3- ग्रामदेवता
- Chapter 4- साहित्य की निष्कपट विधा है-डायरी
- Chapter 5- उम्मीद
- Chapter 6- सागर और मेघ
- Chapter 7- लघुकथाएँ
- Chapter 8- झंडा ऊँचा सदा रहेगा

<https://www.indcareer.com/schools/maharashtra-board-solutions-for-class-9-hindi-lokvani-part-2-chapter-1-gagar-me-sagar/>

About About Maharashtra State Board (MSBSHSE)

The Maharashtra State Board of Secondary and Higher Secondary Education or MSBSHSE (Marathi: महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक आणि उच्च माध्यमिक शिक्षण मंडळ), is an **autonomous and statutory body established in 1965**. The board was amended in the year 1977 under the provisions of the Maharashtra Act No. 41 of 1965.

The Maharashtra State Board of Secondary & Higher Secondary Education (MSBSHSE), Pune is an independent body of the Maharashtra Government. There are more than 1.4 million students that appear in the examination every year. The Maha State Board conducts the board examination twice a year. This board conducts the examination for SSC and HSC.

The Maharashtra government established the Maharashtra State Bureau of Textbook Production and Curriculum Research, also commonly referred to as Ebalbharati, in 1967 to take up the responsibility of providing quality textbooks to students from all classes studying under the Maharashtra State Board. MSBHSE prepares and updates the curriculum to provide holistic development for students. It is designed to tackle the difficulty in understanding the concepts with simple language with simple illustrations. Every year around 10 lakh students are enrolled in schools that are affiliated with the Maharashtra State Board.

<https://www.indcareer.com/schools/maharashtra-board-solutions-for-class-9-hindi-lokvani-part-2-chapter-1-gagar-me-sagar/>

FAQs

Where do I get the Maharashtra State Board Books PDF For free download?

You can download the Maharashtra State Board Books from the eBalbharti official website, i.e. cart.ebalbharati.in or from this article.

Add image

How to Download Maharashtra State Board Books?

Students can get the Maharashtra Books for primary, secondary, and senior secondary classes from here. You can view or download the Maharashtra State Board Books from this page or from the official website for free of cost. Students can follow the detailed steps below to visit the official website and download the e-books for all subjects or a specific subject in different mediums.

Step 1: Visit the official website ebalbharati.in

Step 2: On the top of the screen, select "Download PDF textbooks"

Step 3: From the "Classes" section, select your class.

Step 4: From "Medium", select the medium suitable to you.

Step 5: All Maharashtra board books for class 11th will now be displayed on the right side.

Step 6: Click on the "Download" option to download the PDF book.

Who developed the Maharashtra State board books?

As of now, the MSCERT and Balbharti are responsible for the syllabus and textbooks of Classes 1 to 8, while Classes 9 and 10 are under the Maharashtra State Board of Secondary and Higher Secondary Education (MSBSHSE).

How many state boards are there in Maharashtra?

The Maharashtra State Board of Secondary & Higher Secondary Education, conducts the HSC and SSC Examinations in the state of Maharashtra through its nine Divisional Boards located at Pune, Mumbai, Aurangabad, Nasik, Kolhapur, Amravati, Latur, Nagpur and Ratnagiri.

<https://www.indcareer.com/schools/maharashtra-board-solutions-for-class-9-hindi-lokvani-part-2-chapter-1-gagar-me-sagar/>

About IndCareer

IndCareer.com is a leading developer of online career guidance resources for the Indian marketplace. Established in 2007, IndCareer.com is currently used by over thousands of institutions across India, including schools, employment agencies, libraries, colleges and universities.

IndCareer.com is designed to assist you in making the right career decision - a decision that meets your unique interests and personality.

For any clarifications or questions you can write to **info@indcareer.com**

Postal Address

IndCareer.com
52, Shilpa Nagar,
Somalwada
Nagpur - 440015
Maharashtra, India

WhatsApp: +91 9561 204 888

Website: <https://www.indcareer.com>

<https://www.indcareer.com/schools/maharashtra-board-solutions-for-class-9-hindi-lokvani-part-2-chapter-1-gagar-me-sagar/>